

2	Печатанье книги, печатанье съ камъни, металн, препечатанье съ бол	16	—	5	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	21	—	2
---	---	----	---	---	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	----	---	---